

---

# Nandistavah



नान्दिस्तवः



## Document Information



---

Text title : nandistavah

File name : nandistavah.itx

Category : shiva

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

Description/comments : From Shivastotraratnakara, Gita press

Latest update : October 1, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Nandistavah

---

नन्दिस्तवः

---



कण्ठालङ्कारघण्टाघण्टाघण्टारणिताम्भारोहःकटाङ्कः  
कण्ठेकालाघिरोहोचितघनसुभगंभावुकस्निग्धपृष्ठः ।  
साक्षाद्भूर्मो वपुष्मान् धवलककुट्टनिर्धूतकैलासकूटः  
कूटस्थो वः ककुट्टानिविडतरतमःस्तोमतृण्यां वितृण्यात् ॥ १ ॥

अपने गलेके आभूषणरूप घंटेको घन-घन ध्वनिसे आकाश  
और पृथ्वीको क्षुब्ध कर देनेवाले भगवान नीलकण्ठ शिवके  
आरोहण करनेयोग्य, परिपुष्ट सुन्दर, भावयुक्त तथा स्निग्ध  
पृष्ठदेशवाले, साक्षात् शरीरधारी धर्मके प्रतिरूप,  
अपने श्वेतवर्णके ककुट्ट (डील) - को कान्तिसे कैलासशिखरको  
निर्मल बना देनेवाले भगवान नन्दिश्वर आपलोगोंके धनीभूत  
आज्ञानान्धकारसमूहरूप तृणपुंजको छिन्न- भिन्न कर दें ॥ १ ॥

॥ इति नन्दिस्तवः सम्पूर्णाः ॥

॥ इस प्रकार नन्दिस्तव सम्पूर्णा हुआ ॥

Proofread by Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

---

Nandistavah

pdf was typeset on November 22, 2022

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

